भूगर्भीय आख्या

जनपद–चमोली में कुलसारी – गैरवारम मोटर मार्ग के किमी.6 से बरमगाड़ – कोटमिल – रेय ग्रामीण मोटर मार्ग के निर्माण हेतु प्रस्तावित समरेखन की भूगर्भीय निरीक्षण आख्या।

1–ग्रामीण निर्माण विभाग उत्तराखण्ड के द्वारा जनपद चमोली के नारायणबगड़ ब्लाक के अन्तर्गत कुलसारी – गैरवारम मोटर मार्ग के किमी. 6 से बरमगाड़ – कोटमिला – रेय ग्रामीण मोटर मार्ग का 2.00 किमी. लम्बाई में निर्माण किये जाने का प्रस्ताव है। मार्ग के निर्माण हेतु, प्रस्तावित समरेखन कुलसारी – गैरवारम मोटर मार्ग के किमी.6 से आरम्भ होता है तथा निर्धारित 2.00 किमी. लम्बाई पूर्ण कर ग्राम रेय (मचकनिया तोक) के समीप पूर्ण होता है। मार्ग का निर्माण 5.20 मी. चौडाई में किये जाने का प्रस्ताव है। समरेखन में चार हेयर पिन बैण्ड है, जो कमशः क्रास सेक्सन संख्या 0/23, 0/34, 1/10 एवं 1/20 में दिये गये है। समरेखण के कास सेक्सन 0/14–15 में मार्ग एक स्थानीय गदेरे को पार करेगा जिस पर कल्वर्ट के निर्माण की आवश्यकता हो सकती है। समरेखण क्षेत्र में भूमि का ढालान समान्यता 25° से 55° डिग्री के मध्य प्रतीत होता है। इस क्षेत्र में अल्मोड़ा ग्रुप की चट्टाने है जिसमें मुख्यतः शिस्ट, नीस तथा क्वार्टजाईट है। ये चट्टाने संधियुक्त तथा वेदर्ड है, चट्टान के ऊपर स्थान – स्थान पर ओवरवर्डन मैटेरियल है।

2–समरेखन क्षेत्र की भूगर्भीय स्थिति, भू–आकृति एवं उक्त प्रस्तर में वर्णित तथ्यों को ध्यान में रखते हुये निम्न सुझाव दिये जा रहे है, जिन्हें प्रस्तावित मार्ग निर्माण में सम्मिलित किया जाना आवश्यक है।

(i) यथासम्भव मार्ग की पूरी चौडाई कटान करके प्राप्त की जाये। यह भविष्य में मार्ग की स्थिरता की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। जिस भाग में पहाडी ढलान तीव्र है,वहां मार्ग का निर्माण हाफ कट–हाफ फिल टेक्नीक से कराया जा सकता है।

(ii) मार्ग के आरम्भ में टेंक आफ प्वाइंट कम ढलान युक्त स्थिर भूमि में सावधानीपूर्वक बनाया जाये।

(iii) यह सुनिश्चित किया जाये कि समरेखन में प्रस्तावित हेयर पिन बैण्ड कम ढलान युक्त स्थिर भूमि में सावधानीपूर्वक बनायें जायें।

(iv) तीव्र ढलान में मार्ग की एक से अधिक आर्म्स को avoid किया जाना चाहिये।

(v) समरेखन के समीप स्थित घरों से सुरक्षित दूरी रखते हुये बिना विस्फोटकों का प्रयोग किये मार्ग कटान किया जाये।

(vi) जहॉ मार्ग कटान की ऊचाई अधिक हो और स्ट्रेटा कमजोर हो, विशेष रूप से बैण्ड्स पर एवं आबादी वाले भाग में, मार्ग कटान के साथ–साथ समुचित ब्रेस्ट वाल का निर्माण कराया जाये।

(vii) जहॉ आवश्यक हो, मार्ग के ऊपर व नीचे पहाडी ढलान पर समुचित पौधों का रोपण किया जाये, जिससे ढलानों पर भूक्षरण की प्रकिया को नियत्रित रखा जा सके।

(viii) वर्षा के पानी की समुचित निकासी हेतु रोड साईड ड्रेन, स्कपर एवं अन्य क्रास ड्रेनेज वर्क्स का प्रावधान किया जायें।

(ix) कटिंग के दौरान निकले हुये मैटेरियल को पूर्व निर्धारित dump yard में डाला जायें। खड्ड साईड में फेकने से भूक्षरण की समस्या उत्पन्न हो सकती है।

(x) उपरोक्त के अतिरिक्त पर्वतीय क्षेत्र में मार्ग निर्माण के लिये निर्धारित सिविल अभियांत्रिकी के अन्य मानको एवं विशिष्टियों का भी पालन किया जाये।

3- कुलसारी – गैरवारम मोटर मार्ग के किमी.6 से बरमगाड कोटमिला – रेय मोटर मार्ग के निर्माण हेतु 2.00 किमी. लम्बाई का प्रस्तावित समरेखन वर्तमान परिस्थितियों में उपरोक्त सुझावों के साथ मार्ग निर्माण के लिये उपयुक्त प्रतीत होता है।

टिप्पणी– भूमि हस्तातरण की दृष्टि से समरेखन क्षेत्र में किये गये निरीक्षण एंव उपलब्ध कराये गये सर्वेक्षण विवरण के आधार पर यह एक जनरलाइज्ड आख्या है। मार्ग कटान के पश्चात स्थिति में परिवर्तन भी सम्भव है।

H Kumar 2.3.15

(हर्ष कुमार)

वरि0 भूवैज्ञानिक (से0नि0)

लोक निर्माण विभाग

देहरादून